जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक– 55
दिनांक–22.06.2026

प्राचीनकाल से हमारी सेहत का अहम सूत्र योग –कुलपति डॉ.पी.के.मिश्रा

जनेकृविवि में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

जबलपुर 22 जून, 2026। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन योग प्रोटोकाल के आसनों एवं प्राणायाम से आंचलिक खेल परिसर जवाहर कीड़ांगन में आयोजित किया गया। इस वृहद योग शिविर में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारीगण, छात्र–छात्राएं एवं कृषिनगर निवासियों ने शामिल होकर योगाभ्यास किया गया। इसके साथ ही आयोजित 21 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का समापन भी कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर मुख्यअतिथि की आसंदी से कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि योग करें, निरोग रहे, योग से गंभीर बीमारियों से निजात एवं स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्राचीनकाल से हमारी सेहत का अहम सूत्र योग है, और यह हमारी दिनचर्या में समा चुका है। आज देश दुनिया में योग ने भारत की एक अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम के आयोजनकर्ता व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने इस अवसर पर बताया कि छत्र–छात्राओं के दल ने जटिल योगासनों की अनुपम प्रस्तुति दी, योग शपथ का वाचन तथा 21 दिवसीय योग प्रशिक्षण के प्रतिभागियों एवं उत्कृष्ट योग प्रस्तुति करने वाले छात्र–छात्राओं को कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि उद्यानिकी संकाय डॉ. स्वाती बारचे, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी.आर.शर्मा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव, सीशम एण्ड नाइजर परियोजना के डायरेक्टर डॉ. आनंद विश्वकर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. बी.एस. द्विवेदी सहित विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, छात्रावास अधीक्षक, कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसके अलावा इस भव्य आयोजन के सफल कियान्वयन में योग प्रशिक्षण में निपुण विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र श्री सूर्य कुमार वर्मा, खेल अधिकारी डॉ. आशीष कुमार निगम एवं डॉ. धर्मेन्द्र नरवरिया का सराहनीय योगदान रहा।